9Y2003G

संकलित परीक्षा - I (2015-16)

हिन्दी 'ब'

कक्षा - X

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :** 12

मानव सभ्यता के विकास का उदात्त सोपान ही संस्कृति है। आदिम मानव से आज तक मानव समुदायों ने खान-पान, रहन-सहन, नृत्य-गान-उत्सव, कला सर्जना, चिंतन-मनन, आचार-व्यवहार, धर्म-आचार-अध्यात्म आदि से संबंधित जिन मान्यताओं को विकसित किया, सँजोया एवं परंपराओं के रूप में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाया, वे ही संस्कृति के मूलभूत तत्त्व हैं।

सभ्यता मानव का भौतिक विकास है, साधन-संपन्नता का प्रयास है तो संस्कृति उसका मानसिक-आत्मिक विकास है। सभ्यता बुद्धि एवं तर्क प्रधान है, तो संस्कृति श्रद्धा एवं आस्था से परिपूर्ण होती है।

संस्कृति वस्तुतः स्थायी जीवन-मूल्यों की खोज और उनके संचयन का उदात्त प्रयत्न है।

ज्ञान विज्ञान का विकास, भौतिक संसाधनों एवं उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन, संचार एवं परिवहन के साधनों का विकास जहाँ सभ्यता को सूचित करता है, वहीं नैतिकता की खोज, मानवीय संवेदनाओं का प्रसार, कला-कौशल, साहित्य-संगीत-नृत्य आदि लालित्यपूर्ण क्रिया-कलाप संस्कृति के अंग हैं।

सभ्यता बुद्धिप्रधान, तर्कप्रधान होती है, विवेकहीन होती है; अतः वह अपने विकास की रौ में सभी को रौंदती चली जाती है। सभ्यता अपने चरम उन्नत क्षणों में संवेदन शून्यता की ओर ले जाती है। समृद्धि की खोज में वह सारा विवेक भूल जाती है। वनों को, जल संसाधनों को, धरती को - सभी को नष्ट-भ्रष्ट करती एक विशाल युद्धटैंक-सी

धड़धड़ाती चल पड़ती है। उसकी संवेदनाएँ कुंठित हो जाती हैं; कलात्मकता क्षीण हो जाती है।

(क) संस्कृति के मूलतत्व कौन से हैं?

(ख) संस्कृति के अंग किन्हें कहा जा सकता है?

(ग) सभ्यता व संस्कृति में मुख्य अंतर क्या हैं?

(घ) सभ्यता क्यों कई बार मानव विकास को रौंद देती है?

(ङ) गद्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए।

(च) सभ्यता के अविवेकी हो जाने के क्या परिणाम होते हैं?

2 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—** 8

इतना कुछ है भरा विभव का कोष प्रकृति के भीतर
निज इच्छित सुख-भोग सहज ही पा सकते नारी-नर।
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सब सुख पा सकते हैं
चाहे तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।
छिपा दिए सब तत्त्व आवरण के नीचे ईश्वर ने
संघर्षों ने खोज निकाला उन्हें उद्यमी नर ने।
ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में मनुज नहीं लाया है
अपना सुख उसने अपने भुजबल से ही पाया है।

प्रकृति नहीं डर कर झुकती है कभी भाग्य के बल से
सदा हारता है वह मनुष्य के उद्यम से श्रम जल से।
भाग्यवाद आवरण पाप का और अस्त्र शोषण का

जिससे रखता दबा एक जन भाग दूसरे जन का।

एक मनुज संचित करता है अर्थ पाप के बल से

और भोगता उसे दूसरा भाग्यवाद के छल से।

नर-समाज का भाग्य एक है वह श्रम, वह भुजबल है

जिसके सम्मुख झुकी हुई पृथ्वी, विनीत नभ तल है।

(i) ईश्वर के द्वारा प्रकृति के भीतर छिपाया खज़ाना क्या है?

(ii) ईश्वर के छिपाए क्रोष को मनुष्य कैसे प्राप्त कर सकता है? इसमें भाग्य की क्या सहायता मिलती है?

(iii) भाग्यवाद और शोषण को कवि ने कैसे समझाया है?

(iv) कवि के अनुसार मानव समाज का भाग्य क्या है? उसकी क्या शक्ति है?

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

3 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए- 3

(क) उसने ईश्वर से कुछ माँगने की मुद्रा में अपने हाथ ऊपर उठाए।

(मिश्र वाक्य में)

(ख) गायें और बकरियाँ भी घास खा रही हैं।

(संयुक्त वाक्य में)

(ग) मैंने कल एक ऐसा बच्चा देखा था जो बहुत स्वस्थ था।

(सरल वाक्य में)

4 नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध करके पुन: लिखें। 4

(1) मेरे पिताजी मुझे समझाया।

(2) आजकल दोस्त सच्चे बहुत कम मिलते हैं।

(3) मैं केवल मात्र चार घंटे सोता हूँ।

(4) सावित्री रोज मेरे पास आता है।

5 (क) समस्त पद बनाओ व समास का नाम लिखिए। 4

मृग के समान नयन हैं जिसके, मति के अनुसार

(ख) समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

राजसभा, चिकित्सालय

6 (क) शब्द और पद में क्या अंतर है ? 2

(ख) तुम कहाँ रहती हो। (रेखांकित पद है या शब्द)

7 रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे द्वारा कीजिए - 2

(क) शेर को सामने से आता हुआ देखकर उसकी सिट्टी _____ गई।

(ख) सोहन बड़े दिनों से नहीं दिखा, वह तो _____ हो गया।

खण्ड-ग

(पाठ्य-पुस्तक)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2+2+1)

8(i) तताँरा की पोशाक कैसी थी और वह सदा क्या बाँध कर रहता था? बताइए। 2

(ii) 'तीसरी कसम' विषयक पाठ में फिल्म इंडस्ट्री के किन-किन तौर-तरीकों की बात की गई है? उनके विषय में आप 2

अपने विचार प्रगट कीजिए।

(iii) बड़े भाई ने पहले-पहल लेखक को किस लिए डाँटा था? 1

9 सुभाष बाबू ने कब और कैसे जुलूस निकाला? यह दिन किस अमर दिन की स्मृति में था? ''डायरी का एक पन्ना'' पाठ के आधार पर लिखिए। 5

10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए-(2+2+1)** 5

मोनुमेंट के नीचे जहाँ शाम को सभा होने वाली थी उस जगह को तो भोर में ही छह बजे से ही पुलिस ने बड़ी संख्या में घेर लिया था पर तब भी कई जगह तो भोर में ही झंडा फहराया गया। श्रद्धानंद पार्क में बंगाल प्रांतीय विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तो पलिस ने उन्हें पकड़ लिया तथा और लोगों को मारा या हटा दिया। तारा सुंदरी पार्क में बड़ा बाजार कांग्रेस कमेटी के युवा मंत्री हरिश्चन्द्र सिंह झंडा फहराने गए पर वे भीतर न जा सके। वहाँ पर काफी मारपीट हुई और दो-चार आदमियों के सिर फट गये।

(क) पुलिस ने किस जगह को घेर लिया था और किस समय आकर?

(ख) अविनाश बाबू ने झंडा कहाँ गाड़ा और वे कौन थे?

(ग) पुलिस झंडा गाड़ने का विरोध क्यों कर रही थी?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2+2+1)

11(i) मीरा कृष्ण की चाकरी करने को इतनी आतुर क्यों हैं? 2

(ii) कबीर के अनुसार 'मैं' का भाव कैसे खत्म हो जाता है? विचार कर लिखिए। 2

(iii) कंपनी बाग में तोप क्यों रखी गयी है? 1